इस रिपोर्ट के बारे में

जब तक अन्यथा निर्दिष्ट न किया जाए, एकीकृत वार्षिक रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 2023-2024 को कवर करती है. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की वित्तीय वर्ष 2024 के लिए एकीकृत वार्षिक रिपोर्ट को निदेशक मंडल द्वारा 11 जून, 2024 को अनुमोदित किया गया था, और बोर्ड की ओर से अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया गया था.

हमारी वित्तीय वर्ष 2024 की एकीकृत वार्षिक रिपोर्ट का उद्देश्य इस बारे में पारदर्शिता प्रदान करना है कि अपने ग्राहकों के जीवन को बेहतर बनाने और अपने समुदाय का विकास करने में हम अपने उद्देश्य को कैसे सक्रिय करते हैं. यह रिपोर्ट हमारी दूसरी एकीकृत वार्षिक रिपोर्ट है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय एकीकृत रिपोर्टिंग परिषद (आईआईआरसी) के दिशा-निर्देशों के अनुसार तैयार किया गया है. इसके अतिरिक्त, हम यूनियन बैंक ऑफ इंडिया से संबंधित सामान्य प्रकटीकरण और विषय-विशिष्ट प्रकटीकरण को कवर करते हुए ग्लोबल रिपोर्टिंग इनिशिएटिव स्टैंडर्ड्स के मुख्य विकल्प का अनुपालन करने का प्रयास करते हैं.

आईआर फ्रेमवर्क का अनुपालन

अंतर्राष्ट्रीय एकीकृत रिपोर्टिंग परिषद (आईआईआरसी), जिसे मूल रूप से एकीकृत रिपोर्टिंग को बढ़ावा देने और कॉर्पोरेट पारदर्शिता में सुधार करने के लिए स्थापित किया गया था, में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं. आईआईआरसी ने कॉर्पोरेट रिपोर्टिंग मानकों को सुव्यवस्थित और बेहतर बनाने के लिए सस्टेनेबिलिटी अकाउंटिंग स्टैंडर्ड्स बोर्ड (एसएएसबी) के साथ विलय कर वैल्यू रिपोर्टिंग फाउंडेशन (वीआरएफ़) का गठन किया. इस नए संगठन का उद्देश्य एक सुसंगत ढांचा प्रदान करना है जो वित्तीय और स्थिरता रिपोर्टिंग को एकीकृत करता है, जिससे कारोबार को वित्तीय, सामाजिक और पर्यावरणीय आयामों में उनके वास्तविक मूल्य निर्माण को दर्शाते हुए व्यापक और पारदर्शी प्रकटीकरण प्रदान करने में सहायता मिलती है.

वर्ष 2021 में, वीआरएफ़ ने जलवायु प्रकटीकरण मानक बोर्ड (सीडीएसबी) के साथ विलय करके और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानक (आईएफ़आरएस) फाउंडेशन के नए अंतर्राष्ट्रीय स्थिरता मानक बोर्ड (आईएसएसबी) का हिस्सा बनकर एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है. इस संधि का उद्देश्य वीआरएफ़, एसएएसबी और सीडीएसबी की विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए वैश्विक रूप से सुसंगत कॉर्पोरेट रिपोर्टिंग मानक बनाना है. आईएफ़आरएस फाउंडेशन के तहत आईएसएसबी को उच्च-गुणवत्ता वाले, समझने योग्य और लागू करने योग्य स्थिरता प्रकटीकरण मानकों को विकसित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है. यह सहयोगात्मक प्रयास वित्तीय रिपोर्टिंग के साथ-साथ संवहनीयता सूचना की विश्वशनीयता, तुलनीयता और सामंजस्य में वृद्धि करता है जो निवेशकों, नियामकों और अन्य हितधारकों के लिए बेहतर निर्णय लेने की सुविधा प्रदान करता है और एकीकृत रिपोर्टिंग के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ है.

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने एकीकृत रिपोर्टिंग (आईआर) फ्रेमवर्क 2021 में उल्लिखित मार्गदर्शक सिद्धांतों का पूरी लगन से पालन किया है. ये सिद्धांत हमारी एकीकृत रिपोर्ट की सूची और प्रस्तुति के मार्गदर्शक हैं:

1. **कार्यनीतिक केंद्र और भविष्य की दिशा:** रिपोर्ट बैंक की कार्यनीति, अल्पावधि, मध्यम अवधि और दीर्घावधि में मूल्य सृजन से इसके संबंध और पूंजी के विभिन्न रूपों पर इसके प्रभाव के बारे में स्पष्ट जानकारी प्रदान करती है.
2. **सूचना की कनेक्टिविटी:** यह विभिन्न गतिविधियों, पूंजी और समग्र मूल्य सृजन को जोड़कर समय के साथ बैंक के मूल्य सृजन को प्रभावित करने वाले परस्पर संबंधित कारकों का एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है.
3. **हितधारक संबंध:** रिपोर्ट प्रमुख हितधारकों के साथ बैंक के संबंधों की गुणवत्ता के बारे में जानकारी प्रदान करती है और यह स्पष्ट करती है कि बैंक किस प्रकार उनकी वैध आवश्यकताओं और हितों को समझता है, उन पर प्रतिक्रिया करता है और उन पर विचार करता है.
4. **भौतिकता:** यह विभिन्न समयावधियों में बैंक की मूल्य सृजन क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करने वाले मामलों का खुलासा करता है, तथा मूल्य सृजन को पर्याप्त रूप से प्रभावित करने की उनकी क्षमता के आधार पर भौतिक मामलों की पहचान करता है.

5. **संक्षिप्तता:** रिपोर्ट तार्किक रूप से संरचित और अच्छी तरह से व्यक्त की गई है, स्पष्ट भाषा में प्रस्तुत की गई है , और उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाने के लिए प्रभावी नेविगेशन सहायता उपलब्ध हैं.

6. **विश्वसनीयता और पूर्णता:** रिपोर्ट में सभी प्रासंगिक और महत्वपूर्ण जानकारी शामिल है, जो बैंक के कार्यनिष्पादन और संभावनाओं का व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है.

7. **सामंजस्य और तुलनीयता:** सूचना समय के साथ संगत और उद्योग में अन्य संगठनों के साथ तुलनीय है, जिससे इसकी विश्वसनीयता और उपयोगिता बढ़ जाती है.

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की एकीकृत रिपोर्ट में व्यापक रूप से आईआर फ्रेमवर्क के मार्गदर्शक सिद्धांतों को शामिल किया गया है, जो मूल्य सृजन को प्रभावित करने वाले कारकों की अंतर-निर्भरता को दर्शाता है, कार्यनीतिक अभिविन्यास को दर्शाता है, और हितधारक संबंधों को स्वीकार करता है. यह अपनी संक्षिप्त लेकिन व्यापक प्रस्तुति के माध्यम से विश्वसनीयता और तुलनीयता सुनिश्चित करता है.

आकांक्षात्मक लक्ष्य और प्रकटीकरण

इस रिपोर्ट में जिन लक्ष्यों पर चर्चा की गई है, वे आकांक्षापूर्ण हैं. हालाँकि हम उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन हम उनकी पूर्ति की गारंटी नहीं दे सकते. इन खुलासों में सांख्यिकी और मेट्रिक में मान्यताओं पर आधारित अनुमान शामिल हो सकते हैं. प्राकृतिक पूंजी में गैर-वित्तीय खुलासों का स्वतंत्र मूल्यांकन/ मूल्यांकन/ आश्वासन, जो एकीकृत रिपोर्ट 2023-2024/ कारोबार उत्तरदायित्व और स्थिरता रिपोर्ट के सिद्धांत 6 का हिस्सा है, मेसर्स टीयूवी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित किया गया है.

भौतिकता और रिपोर्टिंग मानक

इस रिपोर्ट में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और हमारे हितधारकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों को दर्शाने के लिए "महत्वपूर्ण" विषयों सहित कुछ शब्दों का उपयोग किया गया है. इस संदर्भ में, ये शब्द प्रतिभूति कानूनों के अनुसार परिभाषित या व्याख्या किए गए या वित्तीय विवरणों और रिपोर्टिंग में उपयोग किए गए "भौतिक" और "भौतिकता" शब्दों से अलग हैं और उन्हें उनके साथ भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए.

सामान्य जानकारी

यह रिपोर्ट केवल सामान्य सूचनात्मक उद्देश्यों के लिए है और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा जारी किसी भी प्रतिभूति या बिक्री की पेशकश तैयार नहीं करती है. इस रिपोर्ट में सभी जानकारी प्रकाशन की तिथि तक विद्यमान है. हम जानकारी को अद्यतन करने या किसी भी विचार, राय या तथ्य में परिवर्तन या गलत होने पर आपको सूचित करने के लिए कोई दायित्व नहीं लेते हैं. वैधानिक प्रकटीकरण के अलावा, इस रिपोर्ट में महत्वपूर्ण ईएसजी विषयों पर स्वैच्छिक प्रकटीकरण भी शामिल हैं. इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट के निवेशक संबंध पृष्ठों पर उपलब्ध हमारी अन्य विभिन्न रिपोर्टों के साथ पढ़ा जाना चाहिए.

तैयारी और सत्यापन

वित्तीय वर्ष 2024 के लिए एकीकृत रिपोर्ट पूरी तरह से आंतरिक रूप से तैयार की गई है और विशिष्ट गैर-वित्तीय और वित्तीय प्रकटीकरणों को छोड़कर, किसी तीसरे पक्ष की एजेंसी द्वारा बाहरी सत्यापन से नहीं किया गया है. अंतर्दृष्टि, आंकड़े और आकलन हमारे संचालन, प्रभावों और मूल्य-निर्माण पथ की हमारी समझ को दर्शाते हैं. सभी गैर-वित्तीय प्रकटीकरण, जैसे कि ऊर्जा खपत और पानी का उपयोग (बीआरएसआर के सिद्धांत 6 और प्राकृतिक पूंजी पर अध्याय में रेखांकित किया गया), का मूल्यांकन बैंक द्वारा नियुक्त ऊर्जा लेखा परीक्षकों द्वारा किया गया है. इसके अतिरिक्त, सभी वित्तीय प्रकटीकरणों का ऑडिट रिपोर्ट के वित्तीय विवरणों में हमारे प्रमाणित वैधानिक लेखा परीक्षकों द्वारा किया जाता है.

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया सूचना की सटीकता, पूर्णता और समयबद्धता के लिए पूरी तरह से उत्तरदायी है, यह स्वीकार करते हुए कि एकीकृत रिपोर्ट बाहरी सत्यापन के बिना तैयार की गई थी. वित्तीय वर्ष 2025 से, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एकीकृत रिपोर्टिंग आवश्यकताओं के अनुपालन को सत्यापित करने के लिए एक प्रतिष्ठित बाहरी एजेंसी को नियुक्त करने की योजना बना रहा है, जो रिपोर्ट की विश्वसनीयता बढ़ाकर हितधारक संबंधों को मजबूत करने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है.

अधिक जानकारी के लिए **www.unionbankofindia.co.in**

छायाचित्र पर कॉपीराइट अस्वीकरण

इस रिपोर्ट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) टूल द्वारा उत्पन्न छायाचित्र शामिल हैं,जिनमें एजेंसी के डिजिटल प्रतिपादन (रेंडरिंग) और एआई सब्सक्रिप्शन के माध्यम से उत्पादित छायाचित्र,और लोगों और आस्तियों के हमारे अपने आंतरिक फोटोशूट शामिल हैं. इस रिपोर्ट में स्टॉक फोटो विक्रेताओं से प्राप्त छायाचित्रों,जिनमें लोग शामिल हैं,का उपयोग नहीं किया गया है. ये छायाचित्र केवल उदाहरण के लिए हैं और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) की संपत्ति हैं. इन छायाचित्रों के सभी अधिकार सुरक्षित हैं. छायाचित्रों को यूबीआईसे स्पष्ट अनुमति के बिना किसी भी रूप में पुनः प्रस्तुत,कॉपी,वितरित या उपयोग नहीं किया जाना चाहिए. कोई भी अनधिकृत उपयोग कॉपीराइट कानूनों का उल्लंघन कर सकता है और कानूनी कार्रवाई का परिणाम हो सकता है. इन छायाचित्रों के उपयोग के बारे में पूछताछ के लिए,कृपयायूनियन बैंक ऑफ इंडिया के कॉर्पोरेट संप्रेषण विभाग से संपर्क करें.

प्रगतिशील कथन

प्रगतिशील कथन इस रिपोर्ट में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के बारे में प्रगतिशील कथन शामिल हैं. हम पाठकों को सावधान करते हैं कि कोई भी प्रगतिशील कथन भविष्य के कार्यनिष्पादन की गारंटी नहीं देता है, और वास्तविक परिणाम व्यक्त किए गए परिणामों से काफी भिन्न हो सकते हैं. प्रगतिशील कथनों को 'सकता है', 'करेगा', 'कोशिश करेगा', 'जारी रखेगा', 'आशय', 'पूर्वानुमान', 'लक्ष्य', 'अनुमानित", 'उम्मीद रखना', 'आकलन', 'इरादा', 'योजना', 'उद्देश्य', 'विश्वास', 'प्राप्त करना' या इसी तरह के शब्दों से पहचाना जा सकता है

स्वभाव से, प्रगतिशील कथनों में भविष्य की घटनाओं और परिस्थितियों से संबंधित जोखिम और अनिश्चितता शामिल होती है, जिसमें कानून में परिवर्तन, मानकों और व्याख्याओं में प्रगति, ईएसजी रिपोर्टिंग प्रथाओं का विकास और हमारे नियंत्रण से परे बाहरी कारक शामिल हैं. ये कथन यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधन की वर्तमान मान्यताओं और अपेक्षाओं पर आधारित हैं और महत्वपूर्ण जोखिमों और अनिश्चितताओं के अधीन हैं. वास्तविक परिणाम व्यक्त किए गए परिणामों से काफी भिन्न हो सकते हैं. हमारी भविष्य की वित्तीय स्थिति और प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले कारकों की पहचान यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की वार्षिक रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 2023-2024 में की गई है, जो हमारी वेबसाइट पर उपलब्ध है.

लागू क़ानूनों और विनियमों के तहत हमारे दायित्वों के अधीन नई जानकारी, भविष्य की घटनाओं या अन्यथा किसी के परिणामस्वरूप किसी भी प्रगतिशील कथन को सार्वजनिक रूप से अद्यतन करने या संशोधित करने का कोई दायित्व नहीं लेते हैं.

एकीकृत वार्षिक रिपोर्ट 2023-24 को डाउनलोड करने हेतु क्यूआर कोड को स्कॅन करें